

कार्यकारी सारांश

विभिन्न क्षेत्रों के बीच जल उपलब्धता में असंतुलन को कम करने के लिए हमारे देश में अधिशेष जल वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में लम्बी दूरी के अंतरबेसिन अंतरण पर विचार किया गया है। केन्द्रीय सिंचाई मंत्रालय (अब जल संसाधन मंत्रालय) और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा वर्ष 1980 में देश की प्रायद्वीपीय नदियों और हिमालयी नदियों दोनों के संबंध में अनेक अंतरबेसिन जल अंतरण लिंकों की पहचान करते हुए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई थी। प्रायद्वीपीय नदी विकास और हिमालयी नदी विकास घटकों को मिलाकर स्थापित करने से जल विद्युत क्षमता और अन्य लाभों के अलावा 35 मिलियन हेक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित होने की उम्मीद थी।

पम्बा-अचनकवोडल-वैप्पार लिंक प्रस्ताव में केरल में पम्बा और अचनकोविल नदियों में उपलब्ध अधिशेष जल से 634 मिमी जल को तमिलनाडु में वैप्पार बेसिन में पथांतरित करने की परिकल्पना की गई है। इस प्रस्ताव से होने वाले लाभों में तमिलनाडु के सूखाग्रस्त तिरुनेलवेली, विरुधुनगर और कामराजार जिलों में 91400 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई, पंप भंडारण योजना के माध्यम से 500 मेगावाट की अधिकतम बिजली का उत्पादन और केरल को कम खपत अवधि के दौरान 150 एमएम3 की विनियमित रिलीज आदि शामिल हैं।

पम्बा-अचनकोविल-वैप्पार लिंक परियोजना में पम्बा-कल अर पर 150 मीटर ऊंचा कंक्रीट बांध, अचनकोविल कल अर पर 160 मीटर ऊंचा कंक्रीट बांध और अचनकोविल बांध, अचनकोविल नदी पर 35 मीटर ऊंचा कंक्रीट गुरुत्वाकर्षण बांध शामिल है। पुन्नामेदु और अचनकोविल कल अर बांध पुन्नामेदु जलाशय के जल को अचनकोविल कल अर जलाशय की ओर मोड़ने के लिए 5.0 मीटर व्यास, 8 किमी लंबी सुरंग द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं। अचनकोविल से जल अचनकोविल कल अर जलाशय में पंप किया जाता है। अचनकोविल कल अर जलाशय के जल को पश्चिमी घाट को पार करने के लिए 8.0 मीटर व्यास, 9 किमी लंबी सुरंग के माध्यम से पथांतरित किया जाएगा। मुख्य नहर सुरंग से बाहर निकलेगी और वैप्पार नदी की सहायक नदी अलगर ओडाई तक पहुंचने से पहले 50.68 किमी की लंबाई तक जाएगी। 500 मेगावाट संस्थापित क्षमता का पीकिंग पावर स्टेशन अचनकोविल कल अर बांध के अंतिम छोर पर स्थित है। 8.37 मेगावाट की संचयी स्थापित क्षमता वाले छह मिनी जलविद्युत संयंत्र पुन्नामेदु और अचनकोविल कल अर जलाशय की अंतर

योजित सुरंग के इनलेट के पास, अचनकोविल कल अर और अचनकोविल बांध के अंतिम छोर और मुख्य नहर पर चार नहर स्थलों पर स्थित हैं।

पीकिंग पावर प्लांट में प्रत्येक 100 मेगावाट की 5 इकाइयां शामिल हैं। इकाइयों में से तीन प्रतिवर्ती प्रकार हैं। 6 घंटे के शीर्ष लोड के दौरान बिजली उत्पादन के लिए अचनकोविल कल अर जलाशय से छोड़े गए जल का 10 मिमी³ शेष अवधि के दौरान अचनकोविल कल अर जलाशय में वापस पंप किया जाएगा।

इस परियोजना के लिए अचनकोविल कल अर तक जल उद्वाहन के लिए 2283 एमयू ऊर्जा की आवश्यकता होगी और व्यस्ततम समय और अन्य अवधियों के दौरान क्रमशः 1095 एमयू और 19 एमयू ऊर्जा उत्पन्न की जाएगी।

जल भराव की समस्या अपेक्षित नहीं है क्योंकि जलाशय और बांध स्थल का क्षेत्र पहाड़ी और घने जंगल से घिरा हुआ है।

सिंचाई और कृषि गतिविधियों में वृद्धि के साथ रोजगार के अवसर पैदा होंगे, क्षेत्र के लोगों की सामान्य समृद्धि में सुधार होगा।

पुन्नामेडु जलाशय 440 हेक्टेयर क्षेत्र को जलमग्न कर देगा, जो पूरी तरह से वन क्षेत्र है। इस जलमग्न के कारण कोई भी जनसंख्या प्रभावित नहीं होगी। अचनकोविल कल अर के अंतर्गत जलमग्न क्षेत्र 1240.7 हेक्टेयर है जिसमें 871.7 हेक्टेयर प्रकृत वन और 369 हेक्टेयर सागौन बागान शामिल है। इस जलमग्न के कारण कोई भी जनसंख्या प्रभावित नहीं होगी। अचनकोविल बांध 323 हेक्टेयर क्षेत्र को जलमग्न कर देगा, जिसमें 86 हेक्टेयर प्रकृत वन, 218 हेक्टेयर वन वृक्षारोपण और 19 हेक्टेयर खेती योग्य भूमि शामिल है। अचनकोविल गांव में अचनकोविल जलाशय के जलमग्न होने से लगभग 297 जन प्रभावित होंगे। जलमग्नता के क्षेत्र के दोगुने क्षेत्र के समतुल्य वनीकरण का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित लिंक नहर के कमांड क्षेत्र में देश के कुछ लंबे समय से सूखाग्रस्त क्षेत्र शामिल हैं जहां पीने का जल भी एक दुर्लभ वस्तु है।

इस लिंक द्वारा पथांतरित किए जाने के लिए प्रस्तावित 634 मिमी जल की मात्रा पम्बा और अचनकोविल नदियों में उपलब्ध अधिशेष जल का लगभग केवल 20% है। कमी वाले मौसम के दौरान 150 एमएम³ जल के विनियमित प्रवाह के प्रावधान से कम अवधि के दौरान नदी के प्रवाह में सुधार होगा और लवणता से निपटने में, प्रदूषण नियंत्रण आदि में सहायता मिलेगी।

परियोजना की लागत 1397.91 करोड़ रुपये (1992-93) आंकी गई है और इसे 8 साल की अवधि में पूरा करने का कार्यक्रम है। बीसी अनुपात 1.008 तक है।